विरह में सेवा

उन्होंने लक्ष्मी को
दूर भेज दिया

SGD

श्रीलगुरुदेव

SGD

गुरु महाराज को जब जिस किसी प्रकार के कौशल से श्रीचैतन्य मठ से बाहर किया गया, तब श्रीसखीचरण राय 'भक्ति विजय' (परवर्ती काल में श्रीसखीचरण दास बाबाजी महाराज) ने कहा था –"लखी के विदायी दियेछे" अर्थात् इन लोगों ने अपने दुर्भाग्य के कारण गुरु वैष्णव-भगवान् की सेवा के अनुकूल समस्त कार्य करने वाले,

उनके लिए सबसे अधिक धन-सम्पत्ति आदि को एकत्रित करके लाने वाले माधव अर्थात् लक्ष्मीपति को ही विदाई दे दी है, अतएव लक्ष्मीपति के बिना लक्ष्मी अर्थात धन अथवा सौभाग्य वहाँ पर कैसे रहेगा ?

Play Store

SrilaGurudeva

SGD